NCERT SOLUTIONS

CLASS - 10th

aglasem.com

Class : 10th

Subject : हिंदी

Chapter : 9

Chapter Name : आत्मत्राण

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

Q. 1. कवि किससे और क्या प्रार्थना कर रहा है?

Answer – कवि ईश्वर से प्रार्थना कर रहा है कि मुझे इतनी शक्ति प्रदान करना कि किसी मुसीबत से मैं कभी भयभीत न हो पाऊँ, अपने दुःख पर मैं सदा विजय प्राप्त कर सकूँ| मेरा आत्मबल कभी कमज़ोर न पड़े और मुझे ईश्वर के अस्तित्व पर कभी संदेह न हो |

Page: 49, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q. 2. 'विपदाओं से मुझे बचाओं, यह मेरी प्रार्थना नहीं' – कवि इस पंक्ति के द्वारा क्या कहना चाहता है?

Answer – कवि इस पंक्ति के द्वारा यह कहना चाहता है कि ईश्वर से मैं यह प्रार्थना नहीं कर रहा हूँ कि मुझे मुसीबतों से बचाए | कवि यह चाहता है कि ईश्वर उन्हें मुसीबतों से लड़ने की शक्ति प्रदान करे जिससे मुसीबत आने पर वह उनसे डरे नहीं बल्कि मुसीबतों का सामना करे |

Page: 49, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q. 3. कवि सहायक के न मिलने पर क्या प्रार्थना करता है?

Answer – कवि सहायक के न मिलने पर प्रार्थना करता है कि मेरा पराक्रम कभी न डगमगाए और आत्मबल कमज़ोर न हो | अपने आत्मबल से कवि हर परिस्थिति का सामना कर सकें |

Page: 49, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q. 4. अंत में कवि क्या अनुनय करता है?

Answer – कवि अंत में यही कहता है कि सुख के दिनों में भी वह ईश्वर को याद करें और जब सभी लोग उसे धोख़ा दे, उसे दुःख दे तब भी कुछ ऐसा हो कि उसकी ईश्वर पर आस्था बनी रहे और ईश्वर के होने पर संदेह न हो |

Page: 49, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

aglasem.com

Q. 5. 'आत्मत्राण' शीर्षक की सार्थकता कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

Answer – आत्मत्राण का अर्थ है स्वयं के भय का निवारण स्वयं के भय से मुक्ति | इस कविता के सन्दर्भ में यह शीर्षक उचित है क्योंकि इस कविता में कवि ने अपने आप को भयमुक्त करने की, आत्मबल बनाये रखने की, स्वयं पर विश्वास की प्रार्थना ईश्वर से की हैं |

Page: 49, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q. 6. अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए आप प्रार्थना के अतिरिक्त और क्या-क्या प्रयास करते हैं? लिखिए।

Answer – अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए आप प्रार्थना के अतिरिक्त परिश्रम करते हैं | अपनी मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर ही हम अपनी इच्छाओं की पूर्ति कर सकते हैं |

Page: 49, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q. 7. क्या कवि की यह प्रार्थना आपको अन्य प्रार्थना गीतों से अलग लगती है? यदि हाँ, तो कैसे?

Answer – कवि की यह प्रार्थना अन्य प्रार्थना गीतों से अलग हैं | सभी प्रार्थना अधिकांशतः ईश्वर से कुछ माँगने के लिए ही की जाती हैं | यह एक करुणामय प्रार्थना है जिसमें कवि ईश्वर से अपने स्वार्थ के लिए प्रार्थना नहीं कर रहा बल्कि ईश्वर से शक्ति, आत्मबल चाहता है ताकि अपने लिए वह खुद लड़ सकें |

Page: 49, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

(ख) निम्नलिखित अंशों का भाव स्पष्ट कीजिए –

Q. 1. नत शिर होकर सुख के दिन में

तव मुख पहचानूँ छिन-छिन में।

Answer – इन पंक्तियों में कवि कह रहा है कि सुख के दिनों में भी वह ईश्वर को याद रखना चाहता हैं | सुख के दिनों में भी सिर झुकाकर वह ईश्वर की प्रार्थना करना चाहते हैं |

Page: 49, Block Name: निम्नलिखित अंशों का भाव स्पष्ट कीजिए –

Q. 2. हानि उठानी पड़े जगत् में लाभ अगर वंचना रही

तो भी मन में ना मानूँ क्षय।

Answer – कवि चाहता है कि यदि इस संसार में उसे कोई लाभ न मिले और हानि मिले तब भी उसका मनोबल कम न हो | मन में कभी भी निराशा के भाव न आये |

Page: 49, Block Name: निम्नलिखित अंशों का भाव स्पष्ट कीजिए –

aglasem.com

Q. 3. तरने की हो शक्ति अनामय

मेरा भार अगर लघु करके न दो सांत्वना नहीं सही।

Answer – कवि कहता है कि चाहे ईश्वर मेरा बोझ कम न करे, मुझे सांत्वना न दे लेकिन उससे उबरने की शक्ति प्रदान करे | अपने दायित्वों को निभाने का सामर्थ्य प्रदान करें |

Page: 49, Block Name: निम्नलिखित अंशों का भाव स्पष्ट कीजिए –

aglasem.com